

भक्षिा देदे माई भक्षिा देदे माई  
भक्षिा देदे माई भक्षिा देदे माई  
तेरे द्वार पे चलके आया शरिडी वाला साँई  
भक्षिा देदे माई

चमिटा कटोरा सटका लेकर भक्षिा माँगने आए  
तू दे न दे फरि भी साँई आशषि दे कर जाए  
भक्षिा देदे माई

देवे भक्षिा उसको साँई दस पट कर लौटाए  
ना भी दे तो हरपल साँई उसका भार उठाए  
भक्षिा देदे साँई

दान धरम से भोग है कटता यह बतलाने आए  
एक इशारा हो जाए उसका भव से तू तर जाए  
भक्षिा देदे माई

रूप बदलना आदत उसकी घर भक्त्तों के जाए  
रोटी टुकड़ा भक्षिा मांगे असली रूप छपाए  
भक्षिा देदे माई

तेरे द्वार पे चलकर आया शरिडी वाला साँई  
भक्षिा देदे माई